"सीनियर स्तर आंतरिक सुरक्षा कोर्स (एसएलआईएससी) क्रं. सं.-119"(ऑनलाइन)

(अप्रैल 22 से 30, 2021)

आंतरिक सुरक्षा अकादमी आंसुअ, माउंट आबू ने सीनियर स्तर आंतरिक सुरक्षा पाठ्यक्रम (जेएलआईएससी) क्र. सं. -119 का आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न पुलिस संगठनों के कुल 21 अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें केरिपुबल के 15 अधिकारी, तेलंगाना पुलिस के -03, आईटीबीपी के -O2 और बीएसएफ से 01 अधिकारी शामिल है ।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य केंद्रीय सशस्त्र बलों, राज्य पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को देश की वर्तमान आंतरिक सुरक्षा समस्याओं और उनसे निपटने के लिए रणनीति पर चर्चा करने के लिए मंच प्रदान करना था।

श्री अरुण कुमार, निदेशक/महानिरीक्षक, आंसुअ, ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने प्रतिभागियों को देश की आंतरिक सुरक्षा, समस्याओं और कार्यस्थल की व्यवसायिकता कैसे सफलता की ओर ले जाती है के बारे में बताया । श्री विक्रम सहगल,महानिरीक्षक राज.सेक्टर केरिपुबल ने पाठ्यक्रम को मान्यता प्रदान की और प्रतिभागियों को अपने संबोधन में नेतृत्व गुणवता के विकास के बारे में बताया और उन्हें कोर्स पूरा करने के लिए बधाई दी ।

निदेशक अकादमी आंसुअ के नेतृत्व में संकाय अधिकारी, एवं विभिन्न प्रख्यात वक्ता जैसे प्रो. संजय झा, डीन , सुरक्षा अध्ययन केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात, श्री प्रकाश डी, आईपीएस, आईजी, सीजी सेक्टर, श्री धीरज कुमार,डीआईजी/प्रिंसिपल, आईआईएम पुणे, श्री राकेश सेठी, डीआईजी, समूह केंद्र, गुवाहाटी , केरिपुबल, प्रो. प्रभावती भासके ,जीएनएलयू,गांधीनगर, श्री एस. के. सूद, एडीजी (सेवानिवृत्त), बीएसएफ, डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी, निदेशक (आई/सी), स्कूल ऑफ लॉ, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात, श्री जीएस पाठक, उप.कमा., 6 बटा. एनडीआरएफ, श्री एच. के, आहूजा, कमा., तटरक्षक, श्री पुष्पेंद्र कुमार कमा,100 आरएएफ, सुश्री सान्या सेठ,यूनिसेफ़, डॉ. ए.पी. माहेश्वरी,आईपीएस (सेवानिवृत्त), सलाहकार, उपराज्यपाल, पुडुचेरी, श्री मुकेश चौधरी, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, श्री उगमदान चरण, जोनल डायरेक्टर, एनसीबी, जोधपुर, श्री अनूप कुमार, कमा. (प्रशि), निशा,सीआईएसएफ, डॉ. डी. के. गुप्ता, प्रबंधन विशेषज्ञ स्वास्थ्य देखभाल, श्री मयंक सिंह, विशेष संवाददाता, द इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली डॉ. बी.के. बिन्नी सरीन, प्रबंधन सलाहकार,डॉ विक्रांत सिंह तोमर प्रबंधक यूएमएस इंडिया, ने व्याख्यान दिया और प्रतिभागियों को आंतरिक सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं के प्रबंधन के साथ समृद्ध किया।

श्री अरुण कुमार, निदेशक / महानिरीक्षक, आं.सु.अ., आबू पर्वत, द्वारा उद्घाटन किया गया ।

प्रो. संजय झा, डीन , सुरक्षा अध्ययन केंद्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात, एक ऑनलाइन सत्र में “आंतरिक सुरक्षा की अवधारणा” पर व्याख्यान देते हुए ।

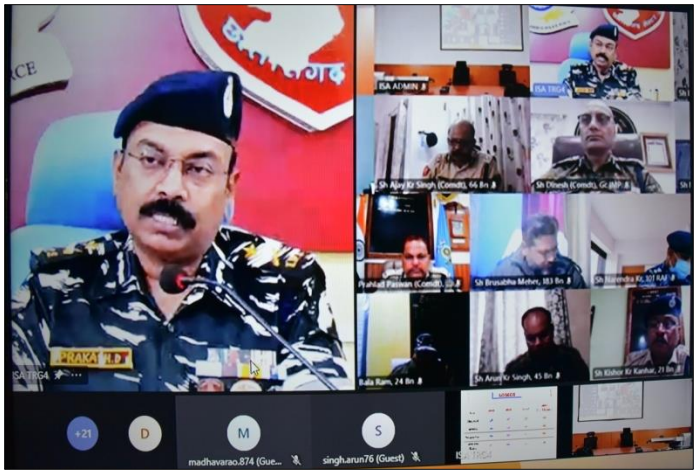

श्री प्रकाश डी, आईपीएस, आईजी, सीजी सेक्टर,एक ऑनलाइन सत्र में "लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज़्म वर्तमान रुझान और अध्ययन सहित अन्य चुनौतियाँ” पर व्याख्यान देते हुए।

श्री धीरज कुमार,डीआईजी/प्रिंसिपल, आईआईएम पुणे एक ऑनलाइन सत्र में “नक्सल क्षेत्र में आईईडी चुनौतियां ”। पर व्याख्यान देते हुए।

श्री राकेश सेठी, डीआईजी, समूह केंद्र, गुवाहटी , एक ऑनलाइन सत्र में, “आंतरिक सुरक्षा-वर्तमान परिप्रेक्ष्य के खतरे के रूप में उत्तर पूर्वी राज्यों में उग्रवाद आंदोलन ” पर व्याख्यान देते हुए।

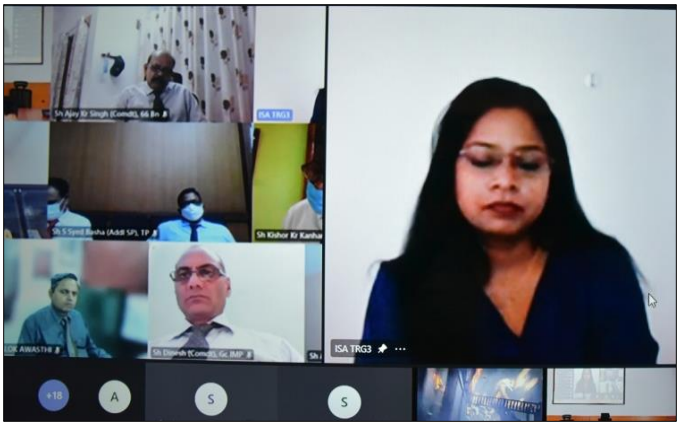

प्रो. प्रभावती भासके ,जीएनएलयू,गांधीनगर, एक ऑनलाइन सत्र में “भारतीय संदर्भ में वर्तमान के मानवाधिकार विवाद / मामलों का अध्ययन। एसएफ कर्मियों के लिए एचआर और सर्वश्रेष्ठ अभ्यास। ” पर व्याख्यान देते हुए।

श्री एस. के. सूद, एडीजी (सेवानिवृत्त), बीएसएफ, एक ऑनलाइन सत्र में “अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद, सीमा पार आतंकवाद, आईएसआई की भूमिका और भारत में इसका प्रभाव। ” पर व्याख्यान देते हुए।

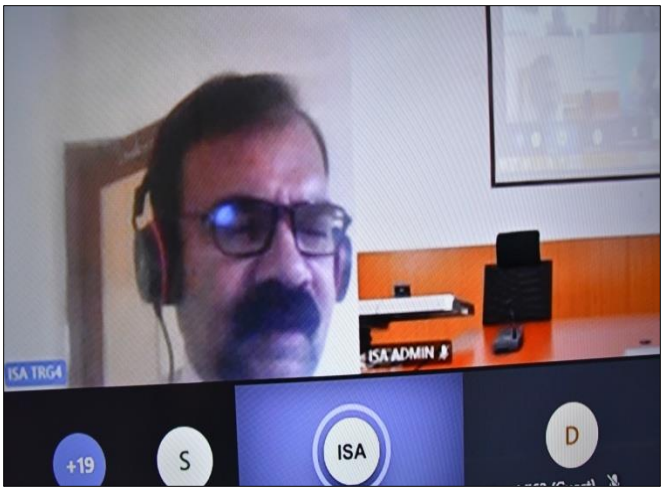

डॉ. आनंद कुमार त्रिपाठी, निदेशक (आई/सी), स्कूल ऑफ लॉ, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात, एक ऑनलाइन सत्र में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, शांति के समय और संघर्ष की स्थितियों में अमानवीय अधिकार " पर व्याख्यान देते हुए ।

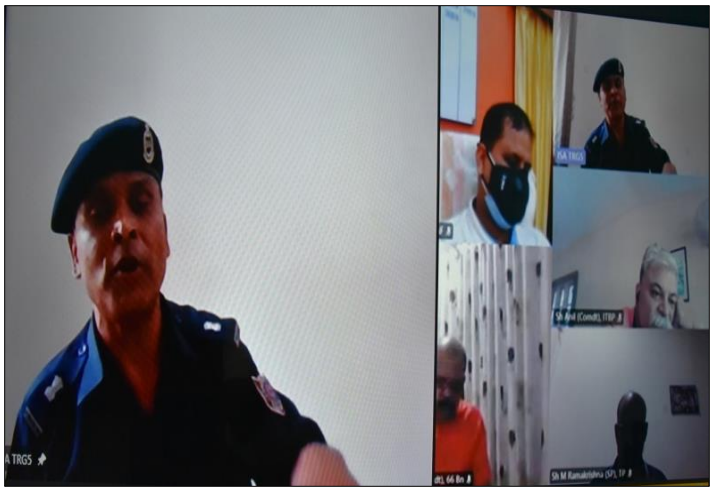

श्री जीएस पाठक, उप.कमा., 6 बटा. एनडीआरएफ, एक ऑनलाइन सत्र में "आपदाओं के दौरान एनडीआरएफ, प्रशि./ जिला प्रशासन और पुलिस की भूमिका" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री एच. के, आहूजा, कमा., तटरक्षक, , एक ऑनलाइन सत्र में "भारत की तटीय और समुद्री सुरक्षा से पहले चुनौतियां - समकालीन दृष्टिकोण।" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री पुष्पेंद्र कुमार कमा.,100 आरएएफ, एक ऑनलाइन सत्र में "आरएएफ: रचना और भूमिका" पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. ए.पी. माहेश्वरी,आईपीएस (सेवानिवृत्त), सलाहकार, उप राज्यपाल, पुडुचेरी, एक ऑनलाइन सत्र में "केरिपुबल के लिए आंतरिक सुरक्षा के उभरते आयाम" पर व्याख्यान देते हुए।

श्री मुकेश चौधरी, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, एक ऑनलाइन सत्र में "साइबर अपराध और हैंडलिंग सोशल मीडिया" पर व्याख्यान देते हुए।

उगमदान चरण, जोनल डायरेक्टर, एनसीबी, जोधपुर, एक ऑनलाइन सत्र में “नार्को आतंकवाद " व्याख्यान देते हुए।

श्री अनूप कुमार, कमा. (प्रशि), निशा,सीआईएसएफ “, एक ऑनलाइन सत्र में, “सीआईएसएफ की औद्योगिक सुरक्षा में भूमिका, वी.ए. -वी.पी. सुरक्षा” पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. डी. के. गुप्ता, प्रबंधन विशेषज्ञ स्वास्थ्य देखभाल, एक ऑनलाइन सत्र में, "समग्र कल्याण: तनाव प्रबंधन और जीवन शैली“ पर व्याख्यान देते हुए।

श्री मयंक सिंह, विशेष संवाददाता, द इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली, एक ऑनलाइन सत्र में "जम्मू और कश्मीर: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. बी.के. बिन्नी सरीन, प्रबंधन सलाहकार, एक ऑनलाइन सत्र में "तनाव प्रबंधन" पर व्याख्यान देते हुए।

डॉ. विक्रांत सिंह तोमर, प्रबंधक यूएमएस इंडिया , एक ऑनलाइन सत्र में "भावात्मक बुद्धि” पर व्याख्यान देते हुए।

श्री विक्रम सहगल ,महानिरीक्षक राज.सेक्टर केरिपुबल द्वारा समापन ।